हिन्दी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग और हिन्दी

न्यायमूर्ति गणेशदत्त दूबे

Scanned with OKEN Scanner

प्रकाशक : कमलेश प्रकाशन
एच.16, अशोक विहार, द्वितीय चरण
पहड़िया, वाराणसी
लेखक : न्यायमूर्ति गणेश दत्त दूबे
संस्करण : प्रथम संस्करण 2010 ईस्वी
अक्षर संयोजक हेमेन्द्र कुमार श्रीवास्तव
सा 18/127 टी0, मौजा हाल
सारंगतालाव, वाराणसी
मुद्रक : मॉर्डन दीपक प्रेस
एस0 17/272, नदेसर, वाराणसी
फोनः 2500894, 2502048
मूल्य : निःशुल्क

Scanned with OKEN Scanner

कन्या महाविद्यालय, सागर में हिन्दी दिवस सप्ताह

शासकीय स्वशासी स्नातको. कन्या महाविद्यालय, सागर के हिन्दी विभाग में प्राचार्य डॉ. जे. पी. एन. पाण्डेय की अध्यक्षता में हिन्दी दिवस सप्ताह मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारम्भ माँ सरस्वती के अर्चन पूजन से किया गया। तत्पश्चात हिन्दी के महत्व को दर्शाते हुए राष्ट्रभाषा एवं राजभाषा की आवश्यकता पर प्रकाश डाला। 14 सितम्बर 1949 को राजभाषा का दर्जा प्राप्त कर आज भी अंग्रेजी को महत्व देने वालों को धिक्कारा गया। हिन्दी राष्ट्रीय एकता और अखण्डता का प्रतीक है आजादी के संघर्ष में हिन्दी के योगदान को नकारा नहीं जा सकता। एम. ए. हिन्दी की छात्रा कु. नीता रजक ने कामकाजी हिन्दी के महत्व पर प्रकाश डाला तथा चाँदनी चौरसिया ने हिन्दीकरण का राष्ट्रीय एजेन्डा प्रस्तुत किया। कु. निकिता सिंघई ने कविता 'हिन्दी बड़ी निराली है' तथा अंकिता ठगेले ने अपनी कविता – 'हिन्दी भाषा मात्र नहीं है' द्वारा श्रोताओं को मंत्रमुग्ध किया। हिन्दी विभागाध्यक्ष डॉ. सरला मिश्रा ने सभी छात्राओं को हिन्दीमय वातावरण बनाने पर जोर दिया। प्राचार्य डॉ. जे. पी. एन. पाण्डेय ने डॉ. सरोज गुप्ता ने हिन्दी भावों का सागर है, अक्षर-अक्षर मोती है, निज भाषा में क्या कहें तो पंक्ति सुनाई। इस अवसर पर विभाग की छात्राएं एवं अतिथि विद्वान डॉ. प्रज्ञा पाण्डेय एवं डॉ. विष्णु रजक उपस्थित रहे।

Scanned with OKEN Scanner